*01 अप्रैल 2025 को आरबीआई@90 स्मरणोत्सव समारोह में स्वागत भाषण**

श्री संजय मल्होत्रा

भारत की महामहिम राष्ट्रपति जी, महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल जी, महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय केन्द्रीय संचार मंत्री जी, महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री जी, विशिष्ट अतिथिगण, मीडिया के प्रतिनिधिगण तथा रिज़र्व बैंक के मेरे पूर्व एवं वर्तमान सहकर्मीगण।

भारतीय रिज़र्व बैंक की 90वीं वर्षगांठ के इस महत्वपूर्ण अवसर पर आप सभी का स्वागत करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हम भारत के माननीय राष्ट्रपति की भागीदारी से बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर के महत्व को बहुत बढ़ा दिया है और हमें बहुत प्रोत्साहित किया है। मैं उनके व्यस्त कार्यक्रम से हमारे लिए समय निकालने के लिए उनका आभारी हूँ। मैं इस समारोह में उनका हार्दिक स्वागत करता हूँ। मैं महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल, माननीय केंद्रीय संचार मंत्री, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों का भी स्वागत करता हूँ। मैं अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों का भी हार्दिक स्वागत करता हूँ जिन्होंने हमारे साथ यहाँ उपस्थित होने के लिए समय निकाला है।

नब्बे साल पहले, भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना भारत की मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में की गई थी। इन नौ दशकों में, हम बदलते आर्थिक परिदृश्य के साथ तालमेल बिठाते हुए विकसित हुए हैं और साथ ही अपने देश की आर्थिक प्रगति और जनता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ठीक एक साल पहले, जब हम 90वें वर्ष में प्रवेश कर रहे थे, हमने माननीय प्रधानमंत्री की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह के साथ उत्सव की शुरुआत की। पूरे वर्ष के दौरान, हमने उभरती प्रौद्योगिकियों और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना जैसे विषयों पर कई उच्च-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए। वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के केंद्रीय बैंकों के सम्मेलन ने वैश्विक समुदाय में भारत के विचार नेतृत्व को मजबूत किया और आगे की चुनौतियों और अवसरों के बारे में हमारी समझ को गहरा किया।

जनता से जुड़ने के लिए, हमने आरबीआई@90 क्विज़ जैसी राष्ट्रव्यापी पहल की मेजबानी की, जिसमें देश भर के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हमने एक कला प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें भारत की कलात्मक परंपराओं की रचनात्मकता और विरासत का जश्न मनाया गया। खेल आयोजन, टाउन हॉल मीटिंग, वृक्षारोपण अभियान और रक्तदान शिविरों ने हमारे कर्मचारियों और समुदायों को एक साथ लाया।

इन सभी आयोजनों ने सहयोग और सेवा की भावना को मजबूत किया जो रिज़र्व बैंक को परिभाषित करती है। हमने अपने अतीत का जश्न मनाया और भविष्य के लिए अपनी जिम्मेदारी की पुष्टि की। हमने अपनी उपलब्धियों और समृद्ध विरासत पर विचार किया और एक मजबूत, अधिक स्थिर और समावेशी वित्तीय प्रणाली पर निर्मित 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने के लिए खुद को फिर से प्रतिबद्ध किया।

इस मील के पत्थर को चिह्नित करते हुए, हम मानते हैं कि रिज़र्व बैंक की भूमिका अपने प्रारंभिक अधिदेश से कहीं अधिक विस्तारित हो गई है। आज, हम परंपरा और परिवर्तन के संगम पर खड़े हैं, जहाँ मूल्य स्थिरता, वित्तीय स्थिरता और आर्थिक विकास की अनिवार्यताएँ तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति, वैश्विक अनिश्चितताओं, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और बढ़ती सार्वजनिक अपेक्षाओं के साथ जुड़ती हैं।

अगला दशक हमारी अर्थव्यवस्था के वित्तीय ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा। हम वित्तीय समावेशन का विस्तार करने और उसे गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ग्राहक सेवाओं में निरंतर सुधार और ग्राहक सुरक्षा को मजबूत करने की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे। वित्तीय स्थिरता और दक्षता के हितों को संतुलित करके हमारे विनियामक ढांचे

* 01 अप्रैल, 2025 को आरबीआई@90 स्मरणोत्सव समारोह में भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर, श्री संजय मल्होत्रा का स्वागत भाषण।

को अनुकूलित करने का हमारा प्रयास होगा। हम प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष का समर्थन करना जारी रखेंगे। हम सतर्क, अनुकूलनशील और दूरदर्शी बने रहेंगे। हम सभी हितधारकों - सरकारों और वित्तीय क्षेत्र के विनियामकों, आदि के साथ प्रभावी रूप से सहयोग करना जारी रखेंगे। हम वित्तीय प्रणाली की पहुँच का विस्तार कर, इसकी दक्षता को बढ़ाकर और एक विकसित आर्थिक परिदृश्य में इसकी सुदृढ़ता को मजबूत कर, इसे बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

भले ही हम नई तकनीक और आधुनिक विनियामक दृष्टिकोण को अपना रहे हों, लेकिन हमारे मूल मूल्य - ईमानदारी, पारदर्शिता और सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता - हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। भारत के लोगों का रिज़र्व बैंक पर जो भरोसा है, वह हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है। हम इसे बनाए रखने और आने वाले वर्षों में इसे और मजबूत करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। यह संस्था राष्ट्र की है। हम लोगों, वित्तीय प्रणाली और अर्थव्यवस्था के हितों की सेवा करने के अटूट संकल्प से प्रेरित होकर हर निर्णय लेते रहेंगे।

जैसा कि हम इस वर्ष भर चलने वाले उत्सव का समापन कर रहे हैं और अपने शताब्दी दशक में कदम रख रहे हैं, हम ऐसा आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट दृष्टि के साथ कर रहे हैं। आगे की यात्रा निरंतर अनुकूलन और चपलता; नई सोच और नवोन्मेष; सहयोग और समन्वय; और उत्कृष्टता और पूर्णता के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता की मांग करेगी। हम, रिज़र्व बैंक में, भारत की आर्थिक प्रगति में सक्रिय और उत्साह से योगदान देने के लिए सभी चुनौतियों का सामना करने और सभी अवसरों को भुनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इन शब्दों के साथ, मैं पुनः भारत की महामहिम राष्ट्रपति तथा अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों का इस स्मारक समारोह में स्वागत करता हूँ।

धन्यवाद। जय हिंद।